सृजन: हिंदी रचनात्मक लेखन समिति

संयोजिका : डॉ भारती

छात्रा संयोजिका: रूपाली (राजनीतिक विज्ञान; तृतीय वर्ष)

सृजन हिंदी रचनात्मक लेखन की ओर से कथा कहानी के सयुंक्त तत्वावधान में आयोजित "कहानी पाठ एवं चर्चा " का आयोजन 13 फरवरी 2019 को कमला नेहरु कॉलेज के नवीन सभागार में किया गया |इसमें किरन सिंह और वन्दना राग ने अपनी कहानियों क्रमशः 'संझा' तथा 'कठकरेज' का पाठ किया | दोनों कहानियाँ अपनी संरचना में उत्कृष्ट थीं | 'संझा' कहानी जहाँ थर्ड जेंडर की करुण स्थिति को पाठकों के समक्ष उजागर करती है |वहीं "कठकरेज" कहानी में सारी उम्र अपनी इच्छाओं का दमन होते देख उस स्त्री का प्रतिशोध सामने आता है |डॉ विश्वनाथ त्रिपाठी और डॉ विनोद तिवारी ने इन कहानियों की आलोचना की |इस परिचर्चा में अनोपचारिक रुप से अन्य कहानीकारों तथा विद्यार्थियों ने भी खुल कर भाग लिया |यह चर्चा निश्चित रुप से कहानी की समझ और उसके पठन -पाठन की प्रक्रिया को समझने में सहायक रही |

सृजन द्वारा अंतर महाविद्यालय रचनात्मक लेखन प्रतियोगिता का आयोजन कॉलेज फेस्टिवल "उल्लास" के अंतर्गत 14 मार्च 2019 को किया गया |जिसके अंतर्गत विभिन्न महा विद्यालयों से बड़ी सख्यां में प्रतिभागियों ने अपनी प्रतिभा दर्ज की |लेखन के लिए तत्काल दिया गया विषय था | ''लोकतन्त्र बनाम राष्ट्रप्रेम ''|इस विषय पर प्रतिभागियों ने कविता,कहानी,अनुच्छेद आदि विधाओं में अपने विचार प्रस्तुत किए | इस प्रतियोगिता के निर्णायक के रुप में थे -डॉ मुकेश कुमार मिरोठा जो की जामिया मिलिया इस्लामिया में असिस्टेंट प्रोफेसर हैं तथा डॉ लीना राव जो की एक श्रेष्ट कवियित्री हैं रहे |इस प्रतियोगिता में विजेता इस प्रकार प्रकार रहें | प्रथम पुरस्कार दीपिका बिस्वाल हिंदी विशेष तृतीय वर्ष गार्गी कॉलेज,द्वितीय पुरस्कार शुभांगी सिन्हा बी.ए.हिंदी विशेष तृतीय वर्ष गार्गी कॉलेज, तृतीय पुरस्कार प्राची चौधरी हिंदी विशेष तृतीय वर्ष गार्गी कॉलेज, इसके अतिरिक्त दो प्रोत्साहन पुरस्कार भी दिए गए | जिनमें प्रथम प्रोत्साहन पुरस्कार रूपाली द्वितीय वर्ष कमला नेहरु कॉलेज,द्वितीय प्रोत्साहन पुरस्कार सोनाली तृतीय वर्ष गार्गी कॉलेज को दिया गया |

सृजन द्वारा नवागत अन्तः महाविद्यालय रचनात्मक लेखन प्रतियोगिता का आयोजन 21 अगस्त 2019, बुधवार को किया गया | जिसके अंतर्गत कमला नेहरु कॉलेज के विभिन्न विभाग की प्रथम वर्ष की छात्राओं ने बहुत बढ़-चढ़ कर भाग लिया | इस प्रतियोगिता का विषय था " प्रकृति '' जो तत्काल ही दिया गया था | इस विषय पर विभिन्न लेख, कहानियाँ और कविताएँ छात्राओं ने लिखीं | इस प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल के रूप में डॉ. सीमा माहेश्वरी (हिंदी विभाग) तथा डॉ. अनीता (हिंदी विभाग) रहीं | प्रतियोगिता का निर्णय इस प्रकार रहा –पुरस्कार : प्रथम - महिमा [बी.ए.हिंदी (विशेष)] प्रथम वर्ष ,कमला नेहरु कॉलेज ; द्वितीय – नितिका [बी.ए.अर्थशास्त्र (विशेष)] प्रथम वर्ष कमला नेहरु कॉलेज ; तृतीय – प्रिया शुक्ला [बी.ए.प्रोग्राम] प्रथम वर्ष कमला नेहरु कॉलेज |

वर्ष २०२० में सत्र सीमा सीमित होने के बावजूद भी सृजन ने सफलतापूर्वक दो कार्यक्रमों का आयोजन किया। इस वर्ष आयोजित किया गया पहला कार्यक्रम था कहकशां 1.0, जो की 5 जनवरी को आयोजित किया गया । कहकशां 1.0 अपने आप में बहुत विशेष था, यह एक प्रतियोगिता न होकर सबके लिए एक खुला मंच था जिसमे सृजन के सदस्यों ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। इस प्रतियोगिता के अंतर्गत, कोई भी छात्रा , किसी भी विषय पर अपनी कविता, कहानी, नज़्म आदि सभी के साथ साझा कर सकते थे । छात्राओं को यह विचार काफी पसंद आया और सृजन इसे भविष्य में आगे भी आयोजित करेगी ।

इस वर्ष सृजन द्वारा आयोजित दूसरा कार्यक्रम था छात्रों के लिए एक विशेष व्याख्यान , जो की 19 फ़रवरी को आयोजित किया गया। इस विशेष व्याख्यान का विषय था “वर्तमान समय में गांधीवाद की प्रासांगिकता” और वक्ता थे मशहूर गांधीवादी विचारक व विचारक श्री विनोद शाही जी । श्री शाही ने अपने व्याख्यान में छात्राओं को गांधीवाद व उससे जुड़ी चीज़ो के बारे में बहुत महत्वपूर्ण जानकारी दी तथा छात्राओं ने भी कफी बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया और कई सवाल पूछे ।